भीलवाड़ा : जमीन विवाद में की थी अधेड़ की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायला थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर की रात हुई अधेड़ की मौत मामले का पुलिस ने खुलासा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर की रात हुई एक मौत के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। जिसे पहले एक सड़क हादसा समझा जा रहा था, वह दरअसल जमीनी विवाद में रची गई एक साजिश निकली। पुलिस ने इस हिट एंड रन को मर्डर केस में बदलते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

घटना 31 दिसंबर 2025 की रात करीब 9:30 बजे की है। लाम्बिया कलां निवासी 42 वर्षीय रामनारायण जाट अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह महाकाल फैक्टरी के पास पहुंचे, पीछे से आ रही एक ग्रे रंग की वरना कार ने उन्हें टक्कर मार दी। आरोपियों ने न केवल टक्कर मारी, बल्कि रामनारायण को घसीटते हुए एक बिजली के पोल से टकरा दिया और मौके से फरार हो गए। इस घटना में रामनारायण की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक के बेटे किशन ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि यह हादसा नहीं हत्या है। पुलिस जांच में यह सच साबित हुआ। पुलिस के मुताबिक, मृतक रामनारायण और आरोपी पक्ष के भंवरलाल जाट के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए

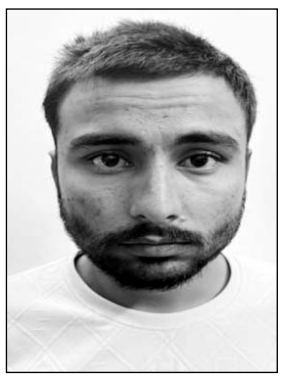

गिरफ्तार आरोपी

भंवरलाल के भांजे, आरोपी सत्यनारायण जाट ने अपने दोस्त कमलेश धाकड़ और मिठूलाल के साथ मिलकर प्लान बनाया। उन्होंने पहले रामनारायण की रेकी की और फिर प्लान के मुताबिक कार से कुचलकर उनकी हत्या कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। रायला थानाधिकारी मूलचंद वर्मा और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़ी। अनुसंधान में यह मामला गैर इरादतन हत्या का न होकर सुनियोजित हत्या का पाया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सत्यनारायण (निवासी लाम्बिया खुर्द) को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में इस्तेमाल कार और अन्य फरार साथियों की तलाश अभी जारी है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

घर में घुसकर हमला किया, दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

- पुलिस से बचने के लिए बदमाशों ने भिखारी का वेश बना रखा था
- प्रकरण में तीन लोगों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम की डीएसटी और प्रतापनगर सदर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो इनामी बदमाशों को पकड़ा है। दोनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर है। एक के खिलाफ प्रतापनगर सदर और दूसरे की सूरसागर थाने में हिस्ट्रीशीट खुली है। दोनों पर दस-दस हजार का इनाम घोषित हो रखा था। दोनों गत 15 दिसम्बर को जोधपुर में वारदात कर फरार हुए थे। प्रकरण में तीन लोगों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों अभियुक्त पुलिस से बचने के लिए अपना हुलिया बदला और भिखारी जैसा रूप धर लिया था। बाल काटने के साथ भिखारी वेश धारण कर रखा था।

एडीसीपी वेस्ट रोशन मीणा ने बताया कि प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र में गत 15 दिसम्बर को एक घर में घुसकर कुछ लोगों ने हमला किया था, जिसमें छेड़छाड़ भी शामिल थी। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, मगर दो मुख्य आरोपियों की पहचान संजय परिहार और मुकेश के रूप में हुई थी, जोकि वारदात के बाद से ही फरार थे। संजय परिहार प्रतापनगर सदर और मुकेश सूरसागर थाने के हिस्ट्रीशीटर है। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की स्पेशल टीम डीएसटी प्रभारी मेहराज के नेतृत्व में लगाई गई। पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी दिल्ली भागे हैं और फरारी काट रहे हैं। इस पर पुलिस की टीम को रेल मार्ग से दिल्ली भेजा गया। दूसरी टीम को सड़क मार्ग से तलाश में लगाया गया। सर्दी के मौसम के बीच में बदमाशों ने अपना हुलिया भी बदल लिया था। दोनों से सिर के बाल कटवा रखे थे और भिखारीनुमा वेश धारण कर रखा था। पुलिस की टीमें इनका पीछा कर रही थी तब सूचना मिली कि दोनों जोधपुर रेलवे स्टेशन की तरफ आ गए हैं। जिस पर पुलिस जोधपुर रेलवे स्टेशन पहुंची तथा दोनों को दस्तयाब कर लिया।

किसान से 1.45 लाख की रिश्वत मांग रहा बिजली कर्मचारी गिरफ्तार

- आरोपी ने कृषि कुएं की वीसीआर के सेटलमेंट के नाम पर रिशत मांगी थी

बीकानेर, (निसं)। कृषि कुएं की वीसीआर के सेटलमेंट के नाम पर 1.45 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए बिजली कार्मिक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सहायक अभियंता ऊपनी कार्यालय में एसीबी सीआई महेंद्र कुमार मय टीम ने एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। एक तय राशि नगद लेने के बाद तीस हजार रुपए की रिश्वत ली जा रही थी। कार्रवाई चूरू एसीबी की टीम ने श्रीडूंगरगढ़ में की है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

एसीबी के एडिशनल एसपी महावीर शर्मा ने बताया कि कृषि कुएं पर तीन लाख 54 हजार रुपए की वीसीआर को डेढ़ लाख रुपए में सेटल करवाने की बात हुई। आरोपी ने तीन लाख 54 हजार रुपए की जगह डेढ़

गिरफ्तार आरोपी

लाख रुपए में सेटल करवाने की बात कही। ज्यादा दबाव डाले पर एक लाख 45 हजार रुपए में सौदा तय हुआ।

इसमें आरोपी ने वीसीआर के बदले एक लाख 15 हजार रुपए का नोटिस भी जारी करवा दिया। वो ये राशि जमा करवाने के बाद शेष तीस हजार रुपए रिश्वत में लेने की कोशिश में था। टीम ने मौके से 1 लाख 45 हजार रुपए की राशि बरामद की है। आरोपी कार्मिक विनोद पूनियां को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसीबी टीम ने सहायक अभियंता ऊपनी कार्यालय में दबिश देकर आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और रिश्वत की राशि जब्त की। फिलहाल पूछताछ जारी है।

देसूला गांव में जमीन विवाद गहराया

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के देसूला गांव में जमीन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी के विरोध में सोमवार दोपहर दलित समाज और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने देसूला से पैदल मार्च रैली निकाली। रैली मिनी सचिवालय पहुंची, जहां कार्यकर्ता मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार विवादित जमीन को लेकर यूआईटी (अर्बन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट) का दावा है कि यह भूमि कब्रिस्तान की है, जिसकी नाप-तोल और पैमाइश कर सीमा ज्ञान पहले ही कराया जा चुका है। यूआईटी अधिकारियों का कहना है कि कुछ दिन पहले इस जमीन से अतिक्रमण हटवाकर सीमाज्ञान किया गया था। हालांकि स्थानीय लोगों का इस पर विरोध है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जमीन को लेकर पहले भी गांव में विरोध हो चुका है। दलित समाज के प्रतिनिधि चौधरी जगदीश जाटव ने आरोप लगाया कि कुछ लोग देसूला की जमीन पर पहुंचे और उसे कब्रिस्तान बताते हुए धमकियां देकर जगह खाली करवा दी। उनका कहना है कि इसके बाद वहां मौजूद हरे पेड़ भी काट दिए गए। चौधरी जगदीश जाटव ने बताया कि इस मामले की पुलिस को सूचना दी गई और पटवारी से भी जानकारी ली गई।

उनका आरोप है कि यूआईटी द्वारा जमीन को कब्रिस्तान बताया जा रहा है, जबकि वहां कोई कब्रिस्तान की भूमि नहीं है, इसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। साथ ही पेड़ काटने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। इसके अलावा आरोप लगाए गए कि देसूला के सरपंच द्वारा वहां गोचर भूमि के पट्टे दिलवाए गए, जिसकी भी जांच होनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि जमीन पर बुलडोजर चलाने और हरे पेड़ काटने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

अलवर जिला अस्पताल की मेडिकल आईसीयू के बाथरुम की छत गिरी

बाथरूम के भीतर कोई मरीज या स्टाफ मौजूद नहीं था, बड़ा हादसा टला

- अस्पताल प्रशासन ने मेडिकल आईसीयू में भर्ती सभी मरीजों को दूसरी आईसीयू में सुरक्षित रूप से शिफ्ट कराया
- बताया जा रहा है कि छत गिरने से पहले किसी प्रकार की सीलन, दरार या कमजोरी नजर नहीं आ रही थी

अलवर, (निसं)। अलवर जिला अस्पताल की मेडिकल आईसीयू में उस समय हड़कंप मच गया, जब आईसीयू के बाथरूम की छत अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। गनीमत रही कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय बाथरूम के भीतर कोई मरीज या स्टाफ मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन तुरंत मौके पर आया और एहतियात के तौर पर मेडिकल आईसीयू में भर्ती सभी मरीजों को दूसरी आईसीयू में सुरक्षित रूप से शिफ्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि छत गिरने से पहले किसी प्रकार की सीलन, दरार या कमजोरी नजर नहीं आ रही थी। छत पूरी तरह ठीक हालत में थी और अचानक गिरने से सभी हैरान रह गए। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला।

इस मामले में जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) डॉ. सुनील चौहान ने बताया कि मेडिकल आईसीयू की बाथरूम की छत अचानक गिर गई है। फिलहाल किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है, जो राहत की बात है। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी तुरंत पीडब्ल्यूडी विभाग को दे दी गई है और जल्द ही छत की मरम्मत करवाई जाएगी। साथ ही अस्पताल भवन के अन्य हिस्सों की भी जांच कराई जाएगी, ताकि कहीं और कोई संभावित खतरा न हो। डॉ. चौहान ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जांच में छत गिरने का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। न तो सीलन और न ही किसी तकनीकी खामी के स्पष्ट संकेत मिले हैं। गंभीरता को देखते हुए जांच कराई जा रही है।

झुंझुनूं में नोएडा की युवती से अभद्रता, ड्राइवर व कंडक्टर गिरफ्तार

रोडवेज बस स्टैंड पर किराए को लेकर युवती के साथ हरियाणा रोडवेज बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने विवाद किया था

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय पर स्थित रोडवेज बस स्टैंड पर किराए को लेकर नोएडा निवासी 20 वर्षीय युवती के साथ हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर ने रात को करीब छह घंटे तक विवाद किया। परेशान युवती ने आधी रात को पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया। तब तक विवाद शांत हुआ। वहीं झुंझुनूं कोतवाली पुलिस ने हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक नोएडा निवासी एक 20 वर्षीय युवती रविवार को दिल्ली से बीकानेर जाने के लिए हरियाणा रोडवेज बस में बैठी थी। यह रोडवेज दिल्ली से झुंझुनूं तक की थी। बस झुंझुनूं में रविवार शाम को करीब छह बजे पहुंच गई। सभी सवारियां भी चली गई, लेकिन हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर ने रात 12 बजे तक युवती को उसका सामान नहीं दिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच किराए को लेकर विवाद था, लेकिन युवती अपना सामान लेने के लिए परेशान होती रही। रात को 12 बजे बाद युवती ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन पर अपने साथ अभद्रता की शिकायत करते हुए बताया कि हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर उसका सामान नहीं दे रहे हैं, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ना केवल युवती को उसका सामान दिलवाया, बल्कि युवती की रिपोर्ट पर महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल थाना इलाके के बापडोली गांव निवासी 40 वर्षीय कंडक्टर विपिन पुत्र राज सिंह जाट तथा महेंद्रगढ़ जिले के सिटी नारनौल थाना इलाके के नीरपुर गांव निसासी 47 वर्षीय ड्राइवर सुरेश पुत्र नेकीराम मेघवाल को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद युवती बीकानेर के लिए रवाना हो गई।

हरियाणा रोडवेज रविवार शाम को झुंझुनूं आई थी। पुलिस कार्रवाई के कारण रोडवेज बस भी सुबह रवाना नहीं हो पाई और दिनभर बस डिपो में खड़ी रही। देर शाम को दोनों ड्राइवर व कंडक्टर को जमानत पर छोड़ा गया। इसके बाद वे झुंझुनूं से रवाना हुए।

उदयपुर में झूठा प्रकरण दर्ज करने पर खटीक समाज का प्रदर्शन

उदयपुर, (कासं)। दुकानदार के खिलाफ राजकार्य बाधा का झूठा प्रकरण दर्ज करने पर खटीक समाज के लोगों ने जिला कलैक्ट्री कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की तथा झूठा मुकदमा हटाने की मांग करते हुए जांच की मांग की।

अखिल भारतीय खटीक समाज एवं श्री खटीक समाज उदयपुर की ओर से सोमवार को जिला कलैक्ट्री कार्यालय के बाहर प्रदर्श कर अम्बामाता थाना पुलिस कांस्टेबल गोपालसिंह पुत्र फतहसिंह द्वारा रामपुरा चौराहे पर स्थित दुकानदार खटीक समाज के मुकेश खटीक के खिलाफ राजकार्य बाधा का प्रकरण दर्ज करवाने का विरोध करते हुए जांच की मांग की। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बताया कि 31 दिसंबर को नववर्ष की पूर्व संध्या पर रामपुरा चौराहा पर बेरिकेडिंग लगाने के लिए टेम्पो से मुकेश की दुकान के सामने से उतारने पर उसने आगे उतारने को कहा था। इसको लेकर सिविल ड्रेस में आए पुलिस के जवान ने जातिगत गाली-गलौच करते हुए मारपीट की तथा टेंपो में डालकर मुकेश को थाने ले आए, जहां कुछ समय बाद छोड़ दिया। दो दिन बाद कांस्टेबल गोपाल की रिपोर्ट पर मुकेश के खिलाफ राजकार्य बाधा का प्रकरण दर्ज कर दिया, जो सरासर गलत एवं झूठा हैं। पुलिस ने धमका कर जातिगत गाली-गलौच कर प्रकरण दर्ज किया है। समाज जनों ने उक्त मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

डूंगरपुर में चलती बाइक से गिरा युवक, मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के गडा रोदा गांव में एक युवक की चलती बाइक से गिरने से मौत हो गई। युवक को अचानक चक्कर आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौरासी थाने के हेड कॉनि. ईश्वरलाल ने बताया कि गडा रोदा निवासी अशोक गमेती ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट के अनुसार अशोक अपने चाचा मोहनलाल के साथ बाइक से खेतों पर गया था। खेतों का काम खत्म करने के बाद वे वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान मोहनलाल को अचानक चक्कर आ गया। चक्कर आने से मोहनलाल चलती बाइक से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत डूंगरपुर जिला अस्पताल ले जाया गयाए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मोहनलाल को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

निजी बस ने बाइक सवार व्यक्ति को कुचला

घटना के कुछ देर बस कंडक्टर और बाइक चालक के बीच बहस हुई थी

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में सोमवार को एक निजी बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक व्यक्ति की टायर के नीचे आने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस घटना से कुछ मिनट पहले ही इसी बस के कंडक्टर और बाइक चालक के बीच हलकी बहस हुई थी।

जानकारी के मुताबिक गुढ़ा रोड रेलवे फाटक पर ट्रेन आने के कारण फाटक बंद था। उसी वक्त एक निजी बस का कंडक्टर आया और पास खड़ी बाइक के चालक झुंझुनूं शहर निवासी किशोरीलाल कुमावत से बाइक साइड में लेने की बात कही। पीछे दयानंद कुमावत बैठा था। किशोरीलाल ने थोड़ी बाइक साइड में ले ली, लेकिन बस कंडक्टर बाइक को रॉन्ग साइड खड़ा करवाना चाह रहा था, जो किशोरीलाल ने मना कर दिया। इसके बाद जब फाटक खुला तो थोड़ी ही दूर किशोरीलाल की बाइक को उसी बस ने टक्कर मार दी, जिससे किशोरीलाल बाइक के साथ सड़क पर जा गिरा और दयानंद बस के पीछे के टायर के नीचे आ गया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बस चालक तेज गति से बस चलाकर भगा ले गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां मेड़तनी बावड़ी के समीप रहने वाले 45 वर्षीय दयानंद कुमावत को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि किशोरीलाल को प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना की सूचना मिलने बीडीके अस्पताल पहुंचे निवर्तमान पार्षद अशोक प्रजापति व कुमावत समाज के प्रतिनिधि सुशील प्रजापति तथा अन्य ने शहर कोतवाल श्रवण कुमार नील से कार्रवाई की मांग करते हुए बस को जब्त और चालक-परिचालक को गिरफ्तार करने की मांग की है। कार्रवाई ना होने तक पोस्टमार्टम कराने से भी इंकार कर दिया। मोर्चरी के बाहर धरना शुरू कर दिया।

करीब दो-तीन घंटे के विरोध के बाद कोतवाली पुलिस ने परिजनों व समाज के लोगों को जानकारी दी कि बस को जब्त कर लिया है और एफआईआर दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तब पोस्टमार्टम हुआ। परिजनों व समाज के लोगों ने संभावना जताई है कि फाटक पर हुई बहस के बाद ही चालक और परिचालक ने जान बूझकर बाइक को टक्कर मारी है, जिससे दयानंद की जान चली गई है, लेकिन पुलिस की जांच के बाद सारी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। किशोरीलाल भवन निर्माण मिस्त्री है, जबकि दयानंद उसके पास ही हेल्पर का काम करता था। दयानंद के घर पर ही निर्माण चल रहा है, जिसके लिए दोनों ईंट लेने के लिए गुढ़ा रोड की तरफ बाइक पर आए थे।

गुड़ामालानी व धोरीमन्ना क्षेत्र को बाड़मेर में रखने की मांग

धोरीमन्ना, (निसं)। धोरीमन्ना व गुड़ामालानी को बाडमेर जिले में ही रखने की मांग को लेकर धोरीमन्ना में सोमवार को धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा।

भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं का कहना है कि हमने 50 साल आगे की राजनीति की है। कांग्रेस कहती है कि धोरीमन्ना व गुडामालानी क्षेत्र को बालोतरा जिले में जोड़ने से लाखों लोगों को असुविधा में धकेलने का काम भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने किया, ऐसा राग अलाप रही है। गुड़ामालानी विधानसभा के क्षेत्र की काट छांटकर अपनी सुविधा के अनुसार परिसीमन करके धोरीमन्ना व गुडामालानी के क्षेत्र को बालोतरा से जोड़कर समस्त जनता को 160 किलोमीटर की यात्रा करने को बाध्य कर दिया गया। साथ ही मांगता आडेल नोखडा तीनों पंचायत समितियां की एक जाति विशेष की बहुलता को देखते हुए मंत्री के के बिश्नोई ने अपने भविष्य को सुरक्षित कर लिया।

धोरीमन्ना व गुड़ामालानी क्षेत्र का आमजन हजारों सालों से बाडमेर के साथ जुड़ा हुआ है तथा मात्र 65 किलोमीटर दूर धोरीमन्ना क्षेत्र है। इसकी जगह 160 किलोमीटर की लंबी यात्रा करने को लोग मजबूर होंगे। नगर पालिका धोरीमन्ना से मात्र 3 किलोमीटर दूर लुखू गांव को नोखडा तहसील में जोड़कर उनको बालोतरा की जगह बाडमेर जिले में रखा गया है, जबकि धोरीमन्ना के पास लुखु निवासियों को भी भारतीय जनता पार्टी ने स्पेशल तोहफा दिया है कि वह 40 किलोमीटर दूर नोखडा तहसील से अपने आप को संबंध करें, जबकि धोरीमन्ना लुखू सीमा से 2 किलोमीटर दूर है उनको नोखडा तहसील से अटैच कर दिया गया। धोरीमन्ना के पास तीन किलोमीटर के अंतर में जिले बदल गए लगता है। राजनीति ने अपने लाभ के लिए समाज में भेद पैदा कर दो जातियों को आपस में तोड़कर आमने-सामने कर दिया है। साथ ही धोरीमन्ना व गुडामालानी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, पूर्व प्रधान ताजाराम, कांग्रेस जिला अध्यक्ष लक्ष्मण गोदारा, मनोहर विश्नोई पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धोरीमन्ना, नाथाराम व नजीर खान, धोधेखान, हरखाराम भील, कुंभाराम प्रजापति, जवानाराम प्रजापति सहित गुडामालानी के विधानसभा क्षेत्र के कई कांग्रेस नेताओ ने ज्ञापन दिया। कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी भंवरलाल बिश्नोई को राज्यपाल के नाम से ज्ञापन दिया गया।

बस परिवहन व्यवस्था सुधारने की मांग : रेवदर में भारतीय जनता पार्टी सिरोही के जिला प्रवक्ता दीपेंद्र सिंह देवडा ने आमजन की समस्याओं को लेकर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, सिरोही आगार के मुख्य प्रबंधक को दो महत्वपूर्ण मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपे। ज्ञापन में रेवदर क्षेत्र से उदयपुर के लिए नियमित सीधी बस सेवा प्रारंभ करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार एवं रोजगार के लिए प्रतिदिन बडी संख्या में यात्रियों का उदयपुर आवागमन रहता है, लेकिन सीधी बस सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पडता है। यदि रेवदर से उदयपुर तक नियमित बस सेवा शुरू की जाती है तो विद्यार्थियों, मरीजों, कर्मचारियों एवं व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा तथा परिवहन निगम की आय में भी वृद्धि होगी। ज्ञापन में रेवदर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत सनवाडा में आने वाली एक्सप्रेस एवं लोकल बसों के लिए प्राथमिक बस स्टैंड निर्धारित करने की मांग की गई।

मेंगलवा में क्रिकेट प्रतियोगिता में मारपीट, एक घायल

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थाना क्षेत्र के मेंगलवा गांव में चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता में शरारती तत्वों द्वारा टेंट जलाने व मारपीट को लेकर सायला पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ है।

जानकारी के अनुसार जसवंत पुत्र नृसिंह आचार्य निवासी मेंगलवा ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि ग्रामीणों द्वारा 1 से 4 जनवरी 2026 तक शीतकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया था जो प्रतियोगिता स्कूल के खेल मैदान में आयोजित की थी। प्रतियोगिता के दौरान 3 जनवरी 2026 को धीराराम पुत्र पारसाराम मेघवाल व केराराम पुत्र कालूराम भील निवासी मेंगलवा के विरुद्ध ग्रामीणों ने टेंट जलाने, गाली गलौज करने व ग्रामीणों को धमकी देने के संबंध में पुलिस में रिपोर्ट पेश की थी। जिस पर रविवार 4 जनवरी को प्रतियोगता के समापन समारोह के बाद शाम को सात बजे धीराराम पुत्र पारसाराम, पारसाराम पुत्र नौनजीराम मेघवाल दोनों इनोवा कार में सवार होकर तेज गति से चलाकर खेल मैदान में लेकर आए। गाडी से उतर कर वहां खडे मेरे छोटे भाई प्रकाश पुत्र नृसिंह व टैंट का कार्य करने वाले ओमाराम पुत्र अचलाराम जाति गवारिया, मफाराम पुत्र नरसिंह जाति भील निवासी कोडी हाल मेंगलवा के साथ मारपीट करने लगे। साथ ही धीराराम ने प्रकाश के नाक पर लाठी मारी, जिससे गंभीर चोट लगने से खून बहने लगा तथा हाथ में चोट आई। खेल मैदान में खड़े शाबीर खान पुत्र पीके खां, रजाक खान पुत्र रसूल खान, शिवराज पुत्र खीमाशंकर आचार्य, रमेश कुमार पुत्र केसाराम प्रजापत निवासी मेंगलवा व अन्य लोगों ने बीच बचाव किया।

बाद में धीराराम ने गाड़ी में सवार होकर वहां खड़े ग्रामीणों को कुचलने के प्रयास में तेज गति से गाड़ी को दौड़ाया। अगर ग्रामीण वहां से नहीं भागते तो बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं घायल प्रकाश को सायला के सरकारी अस्पताल में लेकर आए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आगे रेफर किया। जिसका भीनमाल के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जसवंत ने रिपोर्ट में बताया कि उक्त सारी घटना मुझे प्रकाश व शाबीर खान ने बताई। धीराराम आदतन अपराधी प्रवृत्ति का है। रिपोर्ट में आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमला व ग्रामीणों को कुचलने का मामला दर्ज करने की मांग की है।

मेंगलवा में क्रिकेट प्रतियोगिता में शरारती तत्वों द्वारा मारपीट करने, वाहन से कुचलने के प्रयास के मामले में ग्रामीणों में काफी रोष व्याप्त है। उन्होंने एसडीएम सूरजभान विश्नोई को ज्ञापन देकर आरोपियों के विरुद्ध पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्यवाही की मांग की है, जिस पर एसडीएम विश्नोई ने उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

तीन स्थायी वारंटी गिरफ्तार : सरवाड़ पुलिस ने चार प्रकरणों में न्यायालय में स्थायी गिरफ्तारी वारंटों में फरार तीन मुल्जिमों को गिरफ़्तार किया। वांछित अपरोधियों के धरपकड़ अभियान में सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा जेएम न्यायालय सरवाड़ केकड़ी द्वारा जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंटों की पालना में लंबे समय से चार मुकदमों में वांछित तीन मुल्जिमों को गिरफ्तार किया गया। मुल्जिमों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने कानाराम पुत्र छोटू लाल निवासी सेदारिया पुलिस थाना भिनाय, रामधन पुत्र भीवडा बागारिया निवासी लल्लाई पुलिस थाना सरवाड़, हरीराम पुत्र रमडा गुर्जर निवासी गणेशपुरा थाना सरवाड़ से गिरफ्तार किया गया।

ग्राम पंचायत पुनर्गठन का विरोध, नगला बंजारा के ग्रामीणों का प्रदर्शन

आरोप है कि उनके गांव को हंतरा ग्राम पंचायत से हटाकर अरौदा ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है

भरतपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत के पुनर्गठन को लेकर के विरोध देखा जा रहा है। जिला कलैक्ट्रेट कार्यालय के बाहर नगला बंजारा गांव के ग्रामीणों ने आंखों पर काली पट्टी बांध अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि उनके गांव को हंतरा ग्राम पंचायत से हटाकर अरौदा ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है। उनकी मांग है कि उन्हें हंतरा ग्राम पंचायत में ही रहने दिया जाए। क्योंकि अरौदा ग्राम पंचायत काफी दूर है और लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। जिला कलैक्टर को ज्ञापन देकर मांग कि है कि उनकी अगर मांग नहीं मानी गई तो वह आने वाले सभी चुनावों का बहिष्कार करेंगे।

कौशल फौजदार ने बताया कि नगला बंजारा हंतरा को ग्राम पंचायत हंतरा को अरौदा में जोड़ दिया गया है। इसे वापस हंतरा में जुडवाने के लिए जिला मुख्यालय पर ग्रामीणों की मांग है कि नगला बंजारा हंतरा ग्राम पंचायत हंतरा का भाग है एक गांव का आधा-आधा किसी भी पंचायत में नहीं जोड़ा जा सकता है। गांव हंतरा का नगला बंजारा हंतरा एक वार्ड है तथा विद्यालय, कृषि भूमि, अस्पताल सभी हंतरा में हैं जबकि ग्राम पंचायत पुर्नगठन में नगला बंजारा को ग्राम पंचायत अरौदा में जोड़ दिया है जो कि गलत है। नगला बंजारा को गांव अरौदा जाने के लिये कोई रास्ता भी नहीं है। अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो ग्रामीण प्रत्येक चुनावों का विरोध व बहिष्कार करेंगे।